Title:Need to provide ample job opportunities to the degree holders in food technology in the country − Laid.

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर): अध्यक्ष महोदय, किसी भी देश की विकासशीलता का एक प्रमुख पैमाना है कि उस देश की जनता को पोाक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल पाता है या नहीं। आज हमारे ग्रामीण क्षेत्र की जनता कुपोाण का शिकार तो है ही, शहरी क्षेत्र में भी विकृत कृाि पद्धति के फलस्वरूप पोाक आहार का पर्याप्त अभाव है।

मैं इसी संदर्भ में आगे कहना चाहूंगा कि देश में " खाद्य-प्रौद्योगिकी " (Food Technoloy) जो कि उन पाठयक्रमों में से एक हैं, जिन्हें सामान्य जन के हित के व्यावहारिक पाठयक्रम माने जाते हैं। ऐसे पाठयक्रमों की डिग्री प्राप्त किये छात्र-छात्रायें देश के लिये उपयोगी एवं महत्वपूर्ण मानव संसाधन हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उनका योगदान लिया जा सकता है। सार्वजनिक उपक्रम जैसे रेल, फूड, पार्क, राहत शिविर आदि में भी उनका योगदान लिया जाना चाहिये। स्थानीय वन एवं कृाि खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण द्वारा पोाक आहार निर्माण की जिम्मेदारी उन्हें दी जावे ताकि जन सामान्य के साथ साथ इन छात्र छात्राओं का भी हित हो।